ये अव्यक्त इशारे

सदा हर्षित रहने के लिए अपनी नेचर को सरल बनाओ, सहनशील बनो

2-06-2026

हर्षित रहने का गुण पुरुषार्थ में बहुत मददगार बन सकता है, लेकिन जैसे सूरत हर्षित रहती है वैसे आत्मा भी सदैव हर्षित रहे, इस नेचुरल गुण को आत्मा में लाना है। सदा हर्षित रहेंगे तो फिर माया की कोई आकर्षण आकर्षित नहीं करेगी, यह बाप की गैरन्टी है। लेकिन सदा हर्षित रहने के लिए अपनी रूहानी शान में रहना और सहनशील बन साक्षीदृष्टा हो माया के खेल को देखना।

To remain constantly cheerful, be easy-natured and tolerant.

The virtue of remaining cheerful can help you a lot in your efforts. Just as your face remains cheerful, in the same way, also keep your soul cheerful. Let this natural virtue be inculcated in the soul. If you remain constantly cheerful, no attraction of Maya will be able to attract you. This is the Father's guarantee. However, in order to remain constantly cheerful, maintain your spiritual honour, be tolerant and watch the games of Maya as a detached observer.